FAO BESTOWS KING BHUMIBOL WORLD SOIL DAY 2020 AWARD TO ICAR IISS BHOPAL

The ICAR- Indian Institute of Soil Sciene, Bhopal, Madhya Pradesh, India has been awarded the prestigious King Bhumibol World Soil Day 2020 Award by Food and Agricultural Organisation on its World Soil Day 2020 function.

This international recognition is in view of excellent contribution in 'Soil health awareness' remarkably did by the Institute during last year. The Institute has organised several programmes with great fervour and enthusiasm in the school and Institute's premises as well as in the farming community in the villages.

The Institute celebrated Agriculture Education Day with a theme to create soil health awareness amongst the students and an exposure visit-cum-expert session on "Soil health for sustaining soil productivity" was organized. The scientist briefed key points on the importance of 'Agriculture Education Day', agricultural sciences, soil science, importance of soil health and its management for achieving higher crop productivity and soil sustenance. During this event the students participated enthusiastically and acquired awareness related to soil health.

https://www.youtube.com/watch?v=2AhCmzlV1PU&feature=emb_logo

A massive awareness campaign for preserving "SOIL – Our Mother Earth" was organised to commemorate World Soil Day. A March – Past was organized from the Institute campus to the city of Bhopal for awareness generation of common people. On this occasion, caps, T-shirt with slogans and promotional materials (pamphlets) were distributed to the participants. A farmer-scientist interaction meet was conducted at village-Parawalia Sadak, where, the renowned Soil Scientists from different parts of India participated. The soil health cards were distributed to the progressive farmers. During this event, scientists, officials, students and farmers from nearby villages participated in this awareness program.

A training programme on soil health management was organized for resource poor farmers belonging to the schedule caste community from different villages of Madhya Pradesh. On this occasion, field visit to the research experiments and composting unit at IISS, Bhopal were also organized for the farmers. Besides, All India Coordinated Research Project on STCR, an unit of ICAR-IISS, Bhopal also conducted several programmes on the importance of soil health at different states spread across India.

In the process, ICAR-IISS, Bhopal directly sensitized a big chunk of people including farmers, Government employees, students, press and media as well as the common mass. These ambassadors who were sensitized in the process are expected to further take along the goal of creating heathy soils for healthy life.

(Source: ICAR- Indian Institute of Soil Sciene, Bhopal)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), राजा भूमिबोल विश्व मृदा दिवस पुरस्कार 2020 से सम्मानित

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), को खाद्य और कृषि संगठन (FAO) रोम ने अंतर्राष्ट्रीय राजा भूमिबोल विश्व मृदा दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया है। खाद्य और कृषि संगठन द्वारा इस आशय की घोषणा विश्व मृदा दिवस (5 दिसंबर 2020) के सुअवसर पर एक आभासी कार्यक्रम में की गई। प्रतिष्ठित वैश्विक पुरस्कार को स्वस्थ मिट्टी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आई सी ए आर को सम्मानित किया गया है। विश्व मृदा दिवस पुरस्कार को पिछले साल के विश्व मृदा दिवस समारोह के आयोजन के लिए आई सी ए आर को दिया गया है। इसमें आदर्श वाक्य "मिट्टी का कटाव रोकें, हमारा भविष्य बचायें" के तहत मिट्टी के कटाव की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं को संबोधित किया गया था। आई सी ए आर ने 5 दिसंबर 2019 को सोशल मीडिया अभियान "सोइल–अवर मदर अर्थ" में वैज्ञानिकों, सरकारी संस्थानों, अधिकारियों, छात्रों, किसानों और आम जनता सहित लगभग 13000 से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ 1–7 दिसंबर, 2019 के दौरान "मृदा स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह" का आयोजन किया गया था।

हर रॉयल हाईनेस, थाईलैंड की राजकुमारी महा चक्री सिरिन्धर्न, जनवरी 2021 में बैंकाक (थाईलैंड) में होने वाले एक अधिकारिक समारोह में आई सी ए आर को पुरस्कार प्रदान करेंगी।

आई सी ए आर, भारत में कृषि अनुसंधान और षिक्षा के समन्वय, मार्गदर्षन और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार संगठन है। इस क्षमता में, आई सी ए आर दुनिया में कृषि अनुसंधान और षिक्षा संस्थानों के एक सबसे बड़े नेटवर्क की देखरेख करता है, जो पूरे देष को बागवानी, मृदा विज्ञान, मत्स्य पालन और पषु विज्ञान के साथ अन्य क्षेत्रों को भी सम्मिलित करता है।

आई सी ए आर ने देष में सभी मृदा हितधारकों तक पहुँचने के लिए विष्वविद्यालयों में इंटरैक्टिव सत्र, स्कूलों में जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ, प्रदर्षनियाँ, स्क्रीनिंग, प्रक्षेत्र भ्रमण और प्रषिक्षण सत्र आयोजित किए गए। आई सी ए आर ने क्विज, बहस और साइट पर प्रदर्षनों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन शमन के लिए मिट्टी पर महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए युवाओं पर विषेष जोर दिया।